

|  |  |  |  |  | Attend fer" |  | Suscelprious sisc cis |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| L. XV. | HENDERSON, N. C., THURSDAY, DECEMBER 3, 1896. |  |  |  |  |  |  |
| Nervous <br> Dyspepsia | BUTLER AND PRITCHARD <br> THE FORMER INDITES THE LATTER "A FEW BRIEF LINES." |  | WANT AND LUXURY. <br> a dissertation on the two states of mankind. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Neither Conduces to Actual Happiness or Misery-Greed and Avarice Despoil Character-Indigence and Prodigal-ity Equally Harmful-The Golden Mean as it is Viewed by Rev. Sam P. Jones. $\qquad$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 1 soon sere mation tuatuan beak hat |  |  | The fellow who eats much ought to Impulses Some Play.divide more liberally with him whohas nothing to eat. The woman of Generous impulses are only varie- |  |  |
|  |  |  |  |  | good fortune had better give het lastwinter's cloak to the shivering widow of good intentions, and, likegore |  |  |
|  | , |  |  |  | than have the moths eat it up. In our debating societies when I was a boy |  | $\underline{T}$ |
|  | d | Sede |  |  | Me |  |  |
|  |  |  | dressed. I had rather haye no money than to have a barrel of money on top of me mashing the life out of me. I |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| Francis ar macon, |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | surnt |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | poor would like to be rich. Many of the rich envy the poor the happiness, the appetite and the power to sleep |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | , |  |  |  |  | H:MDEFPOPas, |
|  |  |  |  |  |  |  | \% |
|  |  |  |  | - |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | horat |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | So says a prominent advertiser-one who knows what hes talking about. The own-ers of thousands of pocket-books read each |  |  |  | mevzav: |
|  |  |  |  |  |  | Sose |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | \% |  |  |  | 20 |
|  |  |  | C |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | Jellico, Virgiviria ani feumesse |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | C. 2000 C:30:0C:3000C. |  |  |  |  |
|  |  | $\begin{aligned} & \text { Never count your chestnuts until } \\ & \text { the burr is open. } \\ & \text { The wan who keeps his own coun- } \\ & \text { sel doesn't have to hire a lawer. } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | are divided that tee devil comes on | 为 | \% Minctremic |
|  |  | sion falls into ar. error.The liniment of repentance is good |  | Sose |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | Hex |  |  | (tithe dever hat ot tues with un. |  | Warm |  |
|  |  |  |  |  | Holding on to any kind of a sinwill sooner or later cause us to give upChrist. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | \% |  |
|  |  |  |  |  |  |  | UM |  |
|  |  |  |  |  | , |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | , caratae |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | meame ranem |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | co. 112 w |  |
|  |  |  |  |  |  |  | Notice. |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |

